भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1623
दिनांक 01.08.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

पेयजल तक पहुंच

1623. श्रीमती रूपकुमारी चौधरीः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या गरियाबंद जिले के देवभोग विकासखण्ड में ग्रामीण लोग आज भी पेयजल के लिए लगभग चार किलोमीटर पैदल चलने को मजबूर हैं;
(ख) यदि हां, तो पेयजल को सुगमतापूर्वक उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या उक्त क्षेत्र में जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत किए गए कार्य क्रियान्वयन के चरण में नहीं हैं और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;
(घ) ऐसी चूकों में जिम्मेदार पाए गए व्यक्तियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई प्रस्तावित है;
(ङ) क्या जल स्रोत के अभाव में पाइपलाइन के निर्माण के पश्चात् पाइपलाइन बिछाने के लिए किए गए कार्य के संबंध में कोई जांच की गई है;
(च) यदि हां, तो उक्त कार्य के लिए जिम्मेदार दोषी ठेकेदारों एवं अधिकारियों पर क्या कार्रवाई की गई है; और
(छ) यदि नहीं, तो क्या इस संबंध में कोई जांच समिति गठित करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, जल शक्ति
(श्री वी. सोमण्णा)

(क) छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने सूचित किया है कि गरियाबंद जिले के देवभोग विकास खंड में ऐसा कोई गांव नहीं है जहां आज की तारीख में ग्रामीण लोग पेयजल के लिए लगभग चार किलोमीटर पैदल चलने के लिए मजबूर हों। इसके अलावा, जल जीवन मिशन (जेजेएम) डैशबोर्ड पर उपलब्ध डेटा के अनुसार, 78% से अधिक परिवारों को नल कनेक्शन प्रदान किया गया है। जेजेएम डैशबोर्ड का लिंक नीचे दिया गया है:
https://ejalshakti.gov.in/jjmreport/JJMIndia.aspx

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने सूचित किया है कि उक्त क्षेत्र में जल जीवन मिशन के दिशानिर्देशों के अनुसार जल जीवन मिशन योजना लागू की गई है।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

(ङ) छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने सूचित किया है कि डीपीआर तैयार करते समय मौजूदा नलकूप स्रोतों के आधार पर विभिन्न योजनाएं तैयार की गई थीं। चूंकि भूजल गतिशील है इसलिए, बाद में विभिन्न कारणों से कुछ नलकूपों की क्षमता में कमी आई और ऐसे मौजूदा स्रोत अपर्याप्त हो गए। राज्य सरकार पर्याप्त जल स्रोतों को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

(च) प्रश्न नहीं उठता।

(छ) प्रश्न नहीं उठता।

****